भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 761

दिनांक 26 जुलाई, 2024 को उत्तर के लिए

पश्चिम बंगाल में पोषण अभियान

761. श्री खलीलुर रहमान :

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी कि :-

(क) क्या यह सच है कि सरकार पश्चिम बंगाल में पोषण अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) पश्चिमी बंगाल में जिला-वार कितने आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है;

(घ) क्या सरकार ने राज्य में इस योजना के परिणामों के संबंध में कोई अध्ययन कराया गया है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम निकले?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (ग) 15वें वित्त आयोग के तहत, आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए योजना (आकांक्षी जिलों और उत्तर-पूर्व क्षेत्र में 14-18 वर्ष) को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के तहत मिला दिया गया । यह केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम है, जिसमें स्कीम के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों की है। यह योजना पश्चिम बंगाल के सभी 23 जिलों में कार्यान्वित की जा रही है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में कुपोषण के संकेतों को जैसे बच्चों के कम वजन, ठिगनेपन और दुबलेपन में सतत

सुधार हुआ है। एनएफएचएस-5 (2019-21) की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पोषण संकेतक में एनएफएचएस-4 (2015-16) की तुलना में ठिगनापन क्रमशः 32.5% और 33.8%, कम वजन का प्रसार 31.6% और 32.2% है, जबकि दुबलेपन 20.3% पर स्थिर रही है।

हालांकि, जून 2024 के महीने के पोषण ट्रैकर के आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में 6 साल से कम उम्र के लगभग 72.18 लाख बच्चों का मापन किया गया, जिनमें से 33% ठिगने पाए गए और 12% कम वजन के पाए गए और 5 साल से कम उम्र के केवल 7% बच्चे दुर्बल पाए गए। पोषण ट्रैकर से प्राप्त कम वजन और दुबलेपन का स्तर एनएफएचएस 5 द्वारा अनुमानित स्तर से कम है।

जून 2024 तक, राज्य में सभी 23 जिलों को कवर करते हुए 1,19,481 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं। प्रचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों का जिला-वार विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

(घ) और (ड.) नीति आयोग ने 2020 में आंगनवाड़ी सेवाओं और पोषण अभियान के कार्यान्वयन और प्रभाव पर तृतीय पक्ष ने मूल्यांकन किया और पश्चिम बंगाल सहित देश में कुपोषण से निपटने के लिए इसकी प्रासंगिकता को संतोषजनक पाया।

*****

अनुलग्नक-I

"पश्चिम बंगाल में पोषण अभियान" विषय पर श्री खलीलुर रहमान सांसद द्वारा दिनांक 26.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 761 के उत्तर के भाग (ग) में संदर्भित अनुलग्नक

जिलेवार संचालित आंगनवाड़ी केंद्र*

	जिले	**कार्यशील आंगनवाड़ी केंद्र**
1	24 परगना उत्तर	10368
2	अलीपुरद्वार	3204
3	बांकुड़ा	5739
4	बीरभूम	5191
5	कूचबिहार	4188
6	दार्जिलिंग	3252
7	दिनाजपुर दक्षिण	3279
8	हुगली	6708
9	हावड़ा	4506
10	जलपाईगुड़ी	3936
11	झारग्राम	2477
12	कलिम्पोंग	639
13	कोलकाता	1529
14	मालदह	5723
15	मेदिनीपुर पश्चिम	6636
16	मुर्शिदाबाद	9033
17	नादिया	6934
18	पश्चिम बर्धमान	2845
19	पूर्व बर्धमान	6853
20	पूर्व मेदिनीपुर	6345
21	पुरुलिया	4945
22	दक्षिण 24 परगना	11364
23	उत्तर दिनाजपुर	3787
	कुल	119481

* जून 2024 के महीने के पोषण ट्रैकर डेटा के अनुसार